कक्षा 10वीं – हिन्दी, वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#1. दही वाली मंगम्मा (कन्नड़ कहानी)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

1. मंगम्मा अपने बेटे-बहू से अलग क्यों हो गयी?

उत्तर : मंगम्मा की बहू **नंजम्मा** अपने बेटे को बहुत पीटती थी। इस बात पर अक्सर सास-बहू में झगड़ा होने लगा। मंगम्मा ने जब अपने बेटे से बहू की शिकायत की , तब बेटे ने अपनी पत्नी का ही पक्ष लिया। अंत में, रोज़-रोज़ की इस खटपट से बचने के लिए मंगम्मा अपनी बहू से अलग हो गयी।

2. बहू ने सास को मनाने के लिए कौन-सा तरीका अपनाया?

उत्तर : बहू को जब पता चला कि **रंगप्पा** उसकी सास मंगम्मा के पीछे पड़ गया है , तो वह चिंतित हो गई। उसे यह आशंका हुई कि कहीं सास के रुपये-पैसे रंगप्पा न ले ले। तब उसने योजना बनाई और अपने बेटे (मंगम्मा के पोते) से कहा कि वह दादी के पास जाए, उसे मिठाई देती है , और अगर उसके (बहू के) पास आया तो वह पीटेगी। बच्चा मंगम्मा के पास आकर रहने लगा। धीरे-धीरे, बहू ने शहर में दही बेचने का धंधा भी अपने हाथ में ले लिया और इस प्रकार उसकी मंशा पूरी हो गई। मंगम्मा अब खुशी-खुशी बेटे बहू के साथ रहने लगी।

कक्षा 10वीं – हिन्दी, वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#1. दही वाली मंगम्मा (कन्नड़ कहानी)

3. मंगम्मा का अपनी बहू के साथ किस बात को लेकर विवाद था?

उत्तर : मंगम्मा का अपनी बहू **नंजम्मा** के साथ **पोते** को लेकर विवाद था। एक दिन, बेटे (पोते) की किसी गलती पर उसकी माँ नंजम्मा उसे पीट रही थी। जब मंगम्मा से रहा न गया तो उसने बहू से कहा, **'रे राक्षसी, इस छोटे से बच्चे को क्यों पीट रही है'**। बस, इसी बात पर बहू क्रोधित हो गई और उसने मंगम्मा को खूब सुनाई।

4. रंगप्पा कौन था और वह मंगम्मा से क्या चाहता था?

उत्तर : रंगप्पा शौकीन तबीयत रखने वाला एक **जुआरी** था। वह मंगम्मा से **कर्ज** लेना चाहता था। वह भली-भांति जानता था कि मंगम्मा अपने बहू-बेटे से अलग रहती है और उसके पास पैसे रहते हैं। रंगप्पा माँ-बेटे के अन्तर्कलह का लाभ उठाना चाहता था।

5. 'दही वाली मंगम्मा' कहानी का कथावाचक कौन है? उसका परिचय दीजिए।

उत्तर : इस कहानी के कथावाचक **श्रीनिवास जी** हैं, जिनका पूरा नाम **मास्ती वेंकटेश अय्यंगार** है।

- उनका जन्म 6 जून, 1891 ई. में कोलार, कर्नाटक में हुआ था।
- वे कन्नड़ साहित्य के सर्वाधिक प्रतिष्ठित रचनाकारों में से एक हैं।
- उन्होंने कविता, नाटक, आलोचना, जीवन चरित्र आदि साहित्य की प्रायः सभी विधाओं में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

- 1968 में इनके कहानी संकलन **'सण्णा कथेगुलु'** के लिए इन्हें साहित्य पुरस्कार से नवाजा गया है।
- इन्होंने ज्ञानपीठ पुरस्कार भी प्राप्त किया है।
- श्रीनिवास जी का देहावसान हो चुका है।

6. मंगम्मा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर : मंगम्मा प्रस्तुत कहानी का प्रमुख केन्द्रीय चरित्र है।

- **जीवन-यापन:** वह दही बेचकर अपना जीवन यापन करती है। दही बेचकर जो आमदनी होती है उसमें वह कुछ संचय करती है।
- **स्वभाव:** वह भोली-भाली और सहृदय नारी है। वह जानती है कि पैसा ही उसकी अपनी जमा-पूँजी है।
- **पारिवारिक भावना:** पति से विरक्त रहने वाली मंगम्मा शायद कभी ऐसा नहीं सोची होगी कि उसका बेटा पत्नी के दबाव में आकर उसे छोड़ सकता है।
- **पोते के प्रति लगाव:** अपने पोते के प्रति उसका अधिक झुकाव है।
- **सतीत्व की रक्षा:** वह अपना सतीत्व बचाये रखना चाहती है। रंगप्पा द्वारा बार-बार उसका पीछे करने पर भी वह अपने कर्मपथ से विचलित नहीं होती है।
- **पति के प्रति:** पति का अभाव उसे सदा खटकता है , किन्तु पति के प्रति तनिक भी क्षोभ नहीं है।
- **प्रतिनिधित्व:** मंगम्मा सम्पूर्ण भारतीय नारीत्व का प्रतिनिधित्व करती है।

कक्षा 10वीं – हिन्दी, वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#1. दही वाली मंगम्मा (कन्नड़ कहानी)

7. रंगप्पा कौन था?

उत्तर : रंगप्पा शौकीन तबीयत रखने वाला एक **जुआरी** था।

8. मंगम्मा ने अपना 'धरम' नहीं छोड़ा कैसे?

उत्तर : एक दिन मंगम्मा और बहू नंजम्मा के बीच विवाद हुआ, जिसके कारण मंगम्मा अलग रहने लगी। एक दिन जब मंगम्मा दही बेचकर आ रही थी, तो उसी गाँव का एक शराबी और जुआरी **रंगप्पा** ने मंगम्मा का हाथ पकड़ लिया और उससे समाचार पूछने लगा और कुछ रुपये भी माँगे। लेकिन मंगम्मा किसी भी तरह से उसके चंगुल में नहीं फँसी और वहाँ से भाग चली। अतः, यह कहना शत प्रतिशत सत्य है कि मंगम्मा ने अपना **धरम** नहीं छोड़ा।

9. मंगम्मा की बहू ने विवाद निपटाने में पहल क्यों की?

उत्तर : मंगम्मा की बहू ने विवाद निपटाने में पहल इसलिए की, क्योंकि उसको यह अनुभव हुआ कि अब यदि विवाद का निपटारा नहीं करते हैं, तो मंगम्मा के पास जो रुपया-पैसा जमा है, वह **पड़ोसीन को दे देगी**। इसलिए उसने अपने बच्चे को दादी के गोद में जाने को कहा और विवाद खत्म कर ली।